UP Board Notes Class 8 Sanskrit Chapter 18 एत बालकाः

शब्दार्थाः – एत = आओ, नयाम = ले आएँ, अन्धकारकम् = अंधकार को, परिमाम = नाप लें, जहाम = त्याग करें, विभराम = पूर्ण करें, भरें, अतुलिताम् = अतुलनीय, अपरिमित, लब्ध्वा = प्राप्त कर, बद्ध्वा = बाँधकर, विदध्म = विधान करें, पूरयेम = पूर्ण करें, वाञ्छाकमनीयम् = इच्छित सुन्दर कामना को, सेवामहै = सेवा करें, निकामम् = पर्याप्त, यथेच्छ, सुधीपाः = अमृतपान करने वाले, कामम् = कामना के अनुसार, इह = यहाँ, विकुर्मः = दूर करते हैं, दर्शयेम = दिखाएँ, नवमार्गारोहम् नए मार्ग पर चलना, अनल्पम् = सम्पूर्ण, कलयेम = बनावें।

हिन्दी अनुवाद – आओ बालक! स्वयं चलें, कठिनाई (परेशानी) दूर करें।
आओ! आकाश के तारे ले आएँ और अन्धकार को दूर करें।
आओ! पर्वतों को भी नापें और एकता का त्याग न करें।
आओ! सागर की ओर चलें । जीवन रूपी कलश को मिश्रित रूप में भरें।
आओ! अतुलित शक्ति प्राप्त करके पुरुषार्थ से निश्चय ही भाग्य को बाँध लें ।
आओ! नवीन तप का विधान करें, इच्छित सुन्दर कामना को पूर्ण करें।
अमृतपान करने वाली कामना के अनुसार और वि- लोभ के लोगों की सेवा करें।
आओ! इस जीवन में सकल नर-नारी के मनों को जीत लें।
आओ! भ्रान्ति-समूह (भ्रान्तियाँ) को दूर करें ! चढ़ने का नया मार्ग दिखाएँ।
आओ! बहुत कल्याण (भलाई) करें और विश्व की कमी दूर करें।

https://www.evidyarthi.in/